गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 163
दि. 12.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

ईडी नोटिस के बाद नहीं हुई विजयन के बेटे से पूछताछ: कांग्रेस ने भाजपा-माकपा पर सांठगांठ का लगाया आरोप

(जीएनएस)। कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बेटे विवेक किरण विजयन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वर्ष 2023 में नोटिस जारी किया था। यह नोटिस "लाइफ मिशन परियोजना" से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भेजा गया था, लेकिन लगभग डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी उनसे किसी प्रकार की पूछताछ नहीं की गई। इसी को लेकर अब कांग्रेस ने माकपा और भाजपा दोनों पर मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि ईडी ने मुख्यमंत्री के बेटे को "गुप्त रूप से" नोटिस भेजा, जबकि अन्य मामलों में — विशेषकर विपक्षी दलों से जुड़े नेताओं के खिलाफ — एजेंसी अपनी हर कार्रवाई का बड़े

पैमाने पर प्रचार करती है। उन्होंने तंज कसा कि "जब विपक्ष के नेताओं के मामले आते हैं, तब तो बिना ठोस सबूत के भी पूछताछ, गिरफ्तारी और मीडिया में प्रदर्शन होता है।" वेणुगोपाल ने शिवसेना नेता संजय राउत, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि इन मामलों में ईडी ने अत्यधिक तत्परता दिखाई, पर विजयन के बेटे के मामले में "चुप्पी" साध ली गई।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विजयन के बेटे को फरवरी 2023 में तलब किया गया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए और उसके बाद ईडी ने न तो कोई बयान दिया, न कोई कार्रवाई की। वेणुगोपाल ने सवाल उठाया — "क्या उनसे कभी पूछताछ हुई? क्या जांच बंद कर दी गई? या अब भी जारी है?" उन्होंने कहा कि जनता के सामने ईडी को इसका स्पष्ट उत्तर देना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने भी इस मामले में माकपा की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि यह मामला विपक्षी दल से जुड़ा होता, तो माकपा उसे "राजनीतिक हमला" कहकर प्रचार करती, पर इस बार पार्टी खामोश है। चेन्निथला ने आरोप लगाया कि "भाजपा और माकपा की अपवित्र सांठगांठ के कारण तिरुवनंतपुरम सोना तस्करी और लाइफ मिशन मामले धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में डाल दिए गए।"

उधर मुख्यमंत्री कार्यालय और माकपा ने अभी तक इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईडी ने 14 फरवरी 2023 को विवेक किरण विजयन को पूछताछ के लिए कोच्चि स्थित अपने कार्यालय में बुलाया था। यह समन तत्कालीन ईडी सहायक निदेशक पी.के. आनंद द्वारा जारी किया गया था।

लाइफ मिशन परियोजना का उद्देश्य 2018 की विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित परिवारों को आवास उपलब्ध कराना था। यूएई की रेड क्रिसेंट संस्था ने इस परियोजना के लिए वित्त पोषण किया था। आरोप है कि त्रिशूर जिले के वडक्कनचेरी क्षेत्र में अपार्टमेंट निर्माण के दौरान परियोजना से जुड़ी यूनिटेक बिल्डर्स कंपनी ने राज्य के प्रतिनिधियों और बिचौलियों को लगभग 4.5 करोड़ रुपये का कमीशन दिया था। इस मामले में मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव एम. शिवशंकर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

कांग्रेस का कहना है कि मुख्यमंत्री के करीबी लोगों के खिलाफ जांच की गति थम गई है, जबकि विपक्षी दलों के नेताओं पर ईडी की कार्रवाई "चुनावी हथियार" के रूप में प्रयोग हो रही है। फिलहाल इस पूरे प्रकरण पर राज्य की राजनीति में एक बार फिर ईडी और सत्ता पक्ष की भूमिका पर तीखी बहस छिड़ गई है।

अफगानी मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री रोकी, सियासत गरम

(जीएनएस)। नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की दिल्ली में शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस विवादों में घिर गई। इस दौरान महिला पत्रकारों को कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे राजनीतिक और सोशल मीडिया गलियारों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि भारत में कुछ सबसे सक्षम और प्रतिष्ठित महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया। उन्होंने कहा, "महिलाएं देश की रीढ़ और गौरव हैं, लेकिन उन्हें ऐसा अपमान सहना पड़ा।"

विदेश मंत्रालय (MEA) ने विवाद बढ़ने पर स्पष्ट किया कि अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार का कोई रोल नहीं था। यह कार्यक्रम अफगान दूतावास में आयोजित किया गया था और इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रण अफगान काउंसिल जनरल, मुंबई द्वारा 10 अक्टूबर को भेजा गया था। मंत्रालय ने कहा कि अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

अफगानी मंत्री मुत्तकी ने भारत दौरे के दौरान शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, लेकिन किसी जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन नहीं हुआ। इसके बजाय, दूतावास में आयोजित मीडिया बातचीत में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी शामिल हुए। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं होने दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुत्तकी के साथ आए तालिबानी अधिकारियों ने यह तय किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कौन शामिल होगा। यह स्पष्ट नहीं है कि तालिबान ने भारत सरकार को पहले से सूचित किया था या नहीं। इस घटना ने भारत और अफगानिस्तान के बीच प्रेस स्वतंत्रता और महिला प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म, आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

(जीएनएस)। कोलकाता। पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में शुक्रवार को एक मेडिकल छात्रा के साथ भयावह गैंगरेप की घटना सामने आई। पीड़िता अपने एक पुरुष मित्र के साथ डिनर करने गई थी। लौटते समय तीन अज्ञात आरोपियों ने उनका रास्ता रोका। छात्रा का दोस्त मौके से भाग गया, जबकि आरोपियों ने छात्रा के साथ दरिंदगी की। घटना मेडिकल कॉलेज के बाहर घटी। पीड़िता ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पहले छात्रा का मोबाइल फोन छीन लिया और फिर उसे जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। उन्होंने पीड़िता को धमकी दी कि अगर किसी को जानकारी दी तो उसे नुकसान पहुँचाया जाएगा। आरोपियों ने मोबाइल वापस पाने के लिए पैसे भी मांगे।

पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है और CCTV फुटेज व फोरेंसिक जांच के माध्यम से सबूत जुटाए जा रहे हैं। अभी तक किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। छात्रा के पिता ने कॉलेज और प्रशासन पर सुरक्षा में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "मैंने सुना था कि कॉलेज अच्छा है, इसलिए बेटी को पढ़ाई के लिए भेजा। कभी नहीं सोचा था कि उसके साथ ऐसा होगा। यहां सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है।"

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की टीम दुर्गापुर रवाना हो रही है। आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, "बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन पुलिस सक्रिय कदम नहीं उठा रही। मुख्यमंत्री को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।" टीम पीड़िता और उसके परिवार से मिलकर उन्हें आवश्यक मदद प्रदान करेगी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के दोस्त से भी पूछताछ की जा चुकी है। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से जानकारी ली जा रही है और फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच में हर पहलू को ध्यान में रखा जाएगा और आरोपी जल्द से जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे।

यह घटना दुर्गापुर में सुरक्षा की कमी और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता बढ़ा रही है।

अफगानिस्तान से कोई आतंकी भारत नहीं आएगा तालिबानी मंत्री से मुलाकात के बाद बोले मदनी

(जीएनएस)। देवबंद। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्तकी ने शनिवार को ऐतिहासिक दारुल उलूम देवबंद का दौरा किया। यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखी जा रही है। मुत्तकी का स्वागत जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, दारुल उलूम के कुलपति मुफ़्ती अबुल कासिम नोमानी और अन्य विद्वानों ने पुष्पवर्षा के साथ किया। इस दौरान सुरक्षा के सख्त इंतज़ाम रहे, लेकिन मदरसे के सैकड़ों छात्र और स्थानीय लोग उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित दिखाई दिए। पत्रकारों से बातचीत में मुत्तकी ने कहा — "मैं भारत में मिले स्नेह और देवबंद के इस स्वागत से अभिभूत हूँ। अफगानिस्तान भारत के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को

और मजबूत करना चाहता है।" उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक रिश्ते गहरे हैं और इन्हें नई दिशा में ले जाना उनका उद्देश्य है। इस मुलाकात के बाद मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि अफगानिस्तान और भारत के बीच भरोसे का पुल फिर से मजबूत हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि तालिबान सरकार भारत के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं है। मदनी ने कहा — "अफगानिस्तान से भारत की सरज़मीं पर कोई आतंकी नहीं आएगा। मुत्तकी ने खुद भरोसा दिलाया है कि अफगानिस्तान की धरती किसी भी देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होगी।"

विश्लेषकों का मानना है कि यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं बल्कि गहरी कूटनीतिक रणनीति का हिस्सा है। पाकिस्तान लंबे समय से खुद को देवबंदी विचारधारा और तालिबान का मुख्य रक्षक बताता आया है, परंतु मुत्तकी की देवबंद यात्रा ने इस धारणा को चुनौती दी है। इस कदम को तालिबान की "नई विदेश नीति" के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वह पाकिस्तान पर अपनी निर्भरता घटाकर भारत के साथ संतुलित संबंध बनाना चाहता है। 1866 में स्थापित दारुल उलूम देवबंद दक्षिण एशिया का सबसे प्रभावशाली इस्लामी शिक्षण संस्थान माना जाता है। यह संस्थान न केवल धार्मिक शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यहां से निकले विद्वान इस्लामी देशों की नीतियों और सामाजिक नेतृत्व में अहम भूमिका निभाते हैं। तालिबान के कई वरिष्ठ सदस्य और अधिकारी देवबंद की शिक्षाओं से प्रेरित माने जाते हैं।

फिलहाल दारुल उलूम में अफगानिस्तान के करीब 15 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, हालांकि वर्ष 2000 के बाद वीज़ा प्रतिबंधों और सुरक्षा कारणों से इनकी संख्या कम हो गई है। मुत्तकी की यह यात्रा उन पुराने शैक्षणिक और धार्मिक संबंधों को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी एक संकेत मानी जा रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि भारत और अफगानिस्तान के बीच धार्मिक संपर्कों की यह नई पहल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अफवाहों का किया खंडन, कहा – "मेरा समय खुद आएगा"

(जीएनएस)। बेंगलुरु। कर्नाटक के डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री बनने को लेकर फैल रही अफवाहों को पूरी तरह खारिज किया। लालबाग में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कुछ लोग और मीडिया जानबूझकर भ्रम फैला रहे हैं, जबकि उनकी प्राथमिकता केवल कांग्रेस पार्टी और राज्य की सेवा करना है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी नेतृत्व परिवर्तन पर कोई बात नहीं की है और किसी पद के लिए प्रयास करने का कोई विचार नहीं है।

शिवकुमार ने कहा, "मेरा समय तब आएगा जब 2028 में कर्नाटक में कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी। मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूँ और जनता की सेवा में लगा हूँ। किसी झूठी खबर या गुमराह करने वाले चैनल के खिलाफ मैं मानहानि का केस करूँगा और पूरी तरह सचेत हूँ।"

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके सहयोगी मिलकर राज्य की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। शिवकुमार ने राज्य प्रशासन में अपनी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि वह सुबह से शाम तक मेहनत कर रहे हैं ताकि

बेंगलुरु और पूरे राज्य के लोगों को बेहतर प्रशासन मिल सके। उन्होंने बीजेपी की आलोचनाओं को गंभीरता से नहीं लेने की सलाह भी दी। राज्य में चल रही कैबिनेट फेरबदल की अफवाहों पर उन्होंने कहा कि 13 अक्टूबर को मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को डिनर पर बुलाया था, लेकिन यह केवल आपसी संवाद और मिलने-जुलने के लिए था। इसका किसी राजनीतिक बदलाव या कैबिनेट फेरबदल से कोई संबंध नहीं है। इसके अलावा, विधानसभा में 21 अगस्त को हुई एक घटना भी चर्चा में रही। डिप्टी CM शिवकुमार ने भाजपा विधायक के साथ बहस के दौरान RSS की प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की दो पंक्तियाँ गाईं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस दौरान उन्होंने अपनी बात रखते हुए भाजपा की चालों पर भी प्रकाश डाला। डीके शिवकुमार ने इस पूरे घटनाक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया कि उनका फोकस केवल जनता और पार्टी की सेवा पर है, और किसी भी राजनीतिक अफवाह या पद की चाह में वे नहीं हैं।

सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी केस: टीडीबी ने 9 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का फैसला किया

(जीएनएस)। कोच्चि। केरल के सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी मामले में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) की विजिलेंस विंग ने 9 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। TDB अध्यक्ष पी.एस. प्रसांत ने बताया कि डिप्टी देवास्वोम कमिश्नर बी. मुरारी बाबू के खिलाफ कार्रवाई पहले ही शुरू हो चुकी है। अन्य अधिकारियों के खिलाफ फैसला 14 अक्टूबर को होने वाली बोर्ड बैठक में लिया जाएगा। प्रसांत ने कहा कि जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी, उनमें TDB सेक्रेटरी जयश्री, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुदीश, प्रशासनिक अधिकारी श्रीकुमार और पूर्व तिरुवभरनम कमिश्नर के.एस. बैजू शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बैजू के बाद आए अधिकारी को सोने के वजन में कमी का पता था, लेकिन उन्होंने इसे रिपोर्ट नहीं किया। TDB अध्यक्ष ने विपक्षी नेताओं पर भी कटाक्ष किया। प्रसांत ने कहा कि केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन को जिम्मेदारी से बयान देना चाहिए। वर्तमान बोर्ड का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, फिर भी हमारे खिलाफ आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सबरीमाला तीर्थ यात्रा सीजन की तैयारियां जारी हैं और इस साल करीब 60 लाख श्रद्धालु मंदिर दर्शन के लिए आएंगे।

वहीं, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सबरीमाला देश के लोगों के लिए पवित्र मंदिर है और सोना चोरी की घटना से स्पष्ट होता है कि केरल सरकार मामले को दबा रही है। उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसी CBI से मामले की जांच कराने की मांग की।

अन्य राजनीतिक प्रतिक्रियाओं में, TDB मंत्री वी.एन. वासवन ने कहा कि इस केस में जिम्मेदार सभी लोगों का पर्दाफाश जरूरी है और कोई अपराधी न्याय से बच नहीं पाएगा। भाजपा नेता वी. मुरलीधरन ने TDB को भंग करने और देवस्वोम मंत्री को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं के साथ विश्वासघात कर रही है। इस पूरे मामले ने सबरीमाला मंदिर के प्रशासन और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जबकि राजनीतिक दबाव और जांच की मांगों के बीच बोर्ड की आगामी बैठक को सभी की निगाहें लगी हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न स्थानों के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाएगा

ट्रेन क्र.	प्रस्थान स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09471	बांद्रा (टर्मि.) - गांधीधाम (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	14.10.2025 से 11.11.2025	12:30 बजे (मंगलवार)	01:30 बजे (दूसरे दिन)
09472	गांधीधाम - बांद्रा (टर्मि.) (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	13.10.2025 से 10.11.2025	20:20 बजे (सोमवार)	09:45 बजे (दूसरे दिन)
होल्टः बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद और समाखियाली स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09425	साबरमती - हरिद्वार (द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल)	15.10.2025 से 29.11.2025	08:50 बजे (बुध एवं शनि.)	05:30 बजे (दूसरे दिन)
09426	हरिद्वार - साबरमती (द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल)	16.10.2025 से 30.11.2025	21:40 बजे (गुरु और रवि.)	21:30 बजे (दूसरे दिन)
होल्टः महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर और रूड़की स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचना: एसी 3-टियर कोच।				

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09471, 09472 और 09425 की बुकिंग 12.10.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ।

संपादकीय

आखिरकार शांति!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था।

दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। हूतियों के हमलों से समुद्री मार्ग से होने वाला वैश्विक व्यापार तक बुरी तरह प्रभावित हुआ। बहरहाल, अब जब इस्राइल व हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं तो अब प्रयास हो कि यह शांति स्थायी हो सके। हालांकि, मौजूदा हालात में यह कहना कठिन है कि बेहद आक्रामक तेवर दिखा रहा इस्राइल भविष्य में चुप बैठेगा। हमास बीस इस्राइली बंधकों तथा मारे गए लोगों के शव लौटाने को राजी हुआ है। जिसके बदले में इस्राइल द्वारा हमास के कुछ लड़ाकों समेत हजारों फलस्तीन कैदियों को रिहा किया जाना है। कहने को तो गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी की शर्त भी है, लेकिन अमेरिकी सरपरस्ती में निरंकुश व्यवहार कर रहे इस्राइल से इस मुद्दे पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है।

शांति दूत बनकर घूम रहे ट्रंप ने खुद ही छेड़ दिया युद्ध, US-China Trade War से दुनिया सकते में

> यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों (**Rare Earth Elements**) के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं।

दूसरे युद्धों को खत्म कराने का दावा कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक नया आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है और यह युद्ध बंदूकों का नहीं, बल्कि टैरिफ और दुर्लभ खनिजों का है। अमेरिका और चीन के बीच यह नया टैरिफ संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वैसा ही झटका है, जैसा 2018-19 के व्यापार युद्ध के समय देखा गया था। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से चीन से आने वाले सभी सामानों पर 100% शुल्क लगाया जाएगा और "महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर" के निर्यात पर नई पाबंदियाँ लगेंगी। यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों (Rare Earth Elements) के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं। बीजिंग दुनिया में इन खनिजों के 90% से अधिक परिशोधन (processing) पर नियंत्रण रखता है। ट्रंप ने चीन के इस कदम को "hostile order" यानी शत्रुतापूर्ण आदेश बताया और कहा कि बीजिंग "पूरी दुनिया को बंधक बनाने" की कोशिश कर रहा है।

इस नई आर्थिक जंग की घोषणा के साथ ही वैश्विक बाजारों में हड़कंप मच गया। अमेरिका का S&P 500 इंडेक्स 2.7% गिर गया, नैस्डैक में भी तेज़ गिरावट आई, जबकि निवेशक सोने की शरण में भागे। डॉलर कमजोर पड़ा और वैश्विक निवेशकों में यह आशंका फैल गई कि वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच 'टैरिफ युद्ध' फिर से भड़क उठा है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह फैसला केवल एक आर्थिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। चीन ने जब दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाया, तो उसने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया। इन खनिजों के बिना स्मार्टफोन, मिसाइल, सेमीकंडक्टर और बैटरी बनाना असंभव है। इसलिए चीन का यह कदम भू-अर्थशास्त्र (geo-economics) की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह अपनी प्राकृतिक संपदाओं को राजनैतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करता है।

ट्रंप की प्रतिक्रिया उतनी ही आक्रामक है जितनी अप्रत्याशित। यह कदम न केवल बीजिंग के लिए बल्कि अमेरिका के उद्योगों के लिए भी दोहरी चुनौती बनेगा— क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ वर्षों से एक-दूसरे में गहराई से जुड़ी हुई हैं। लेकिन ट्रंप की प्राथमिकता फिलहाल राजनीतिक लाभ और "मेड इन अमेरिका" की घरेलू भावना को पुनर्जीवित करना है।

उधर, चीन के लिए यह विकास चिंताजनक है। चीन की अर्थव्यवस्था पहले से धीमी वृद्धि, रियल एस्टेट संकट और घटती विदेशी मांग से जूझ रही है। ऐसे में अमेरिकी बाजार पर 100% टैरिफ उसके निर्यात क्षेत्र को गंभीर चोट पहुंचाएगा। चीन अब अपने प्रभाव को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाने की कोशिश करेगा ताकि अमेरिकी दबाव को संतुलित किया जा सके। लेकिन ट्रंप के कदम का एक बड़ा असर यह होगा कि पश्चिमी कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ेंगी। Apple, Tesla और अन्य अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही 'चाइना-प्लस-वन' रणनीति पर काम कर रही हैं। अब यह प्रवृत्ति और तेज होगी।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह परिदृश्य "संकट में अवसर" की तरह है। यदि दुनिया चीन पर निर्भरता घटाना चाहती है, तो भारत एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और यूरोप दोनों ही ऐसे साझेदार की तलाश में हैं जो भरोसेमंद हो, राजनीतिक रूप से स्थिर हो, और तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो। भारत के पास इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तीन प्रमुख रास्ते हैं। पहला- भारत में भी कई दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं, परंतु उनका परिशोधन ढांचा कमजोर है। यदि सरकार इस क्षेत्र में 'राष्ट्रीय रेयर अर्थ मिशन' जैसे कार्यक्रम को गति दे, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। दूसरा- ट्रंप की नीति से अमेरिकी कंपनियाँ चीन से हटकर भारत, वियतनाम और इंडोनेशिया की ओर रुख करेंगी। भारत यदि भूमि सुधार, बिजली लागत और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार लाता है, तो यह निवेश आकर्षित कर सकता है। तीसरा- अमेरिका और जापान के साथ सेमीकंडक्टर और एआई अनुसंधान में सहयोग भारत को नई औद्योगिक शक्ति में बदल सकता है।

परंतु यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध से वैश्विक मंदी की संभावना बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन दोनों भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं; किसी भी झटके से भारतीय निर्यात, आईटी सेवा और ऑटो उद्योग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, यदि चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात को भारत तक सीमित करता है, तो भारत की बैटरी, मोबाइल और रक्षा विनिर्माण योजनाएँ बाधित हो सकती हैं। इसलिए भारत को केवल अवसर नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन रणनीति भी तैयार करनी होगी।

देखा जाये तो अमेरिका-चीन टकराव वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यह अब केवल व्यापार की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी, संसाधन और प्रभाव क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह संघर्ष तय करेगा कि दुनिया का औद्योगिक केंद्र एशिया में कहाँ स्थिर होगा— चीन में या उसके बाहर। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस नए वैश्विक भूगोल में 'सप्लाई चेन रेजिलियंस' का नेतृत्व करे। इसके लिए उसे खनिज नीति, औद्योगिक निवेश और तकनीकी अनुसंधान में साहसिक कदम उठाने होंगे।

कुल मिलाकर देखें तो ट्रंप का यह 'टैरिफ बम' वैश्विक व्यापार में अस्थिरता का विस्फोट है। लेकिन इसके भीतर भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर छिपा है। यदि भारत इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीति-संवेदनशीलता के साथ संभाले, तो वह न केवल इस तूफान से सुरक्षित निकल सकता है बल्कि इस नए वैश्विक आर्थिक युग में आत्मनिर्भर और निर्णायक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

बहरहाल, ट्रंप ने भले ही दूसरे युद्धों को खत्म करने का दावा किया हो, परंतु उनका यह नया आर्थिक युद्ध आने वाले दशक का सबसे बड़ा वैश्विक शक्ति परीक्षण साबित हो सकता है— जिसमें भारत का प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह केवल दर्शक रहेगा या इस नये आर्थिक युद्ध का विजेता।

प्रेरणा

सादगी की शक्ति का अमर उदाहरण

सादगी कभी दिखावे का रूप नहीं होती, बल्कि यह मनुष्य के भीतर की सच्चाई और आत्मबल की सबसे उज्ज्वल झलक होती है। इसी सादगी ने अनेक बार ऐसे चमत्कार किए हैं, जिनसे पत्थर दिल भी पिघल गए। ऐसी ही एक ऐतिहासिक घटना 1975 के आपातकाल की है, जब लोकनायक जयप्रकाश नारायण—एक महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी—देश की व्यवस्था के विरोध में उठ खड़े हुए थे। सत्ता ने उन्हें जेल में डाल दिया, लेकिन उनके भीतर की चमक और नैतिक शक्ति किसी दीवार में बंद नहीं की जा सकी।

उस समय तिहाड़ जेल के एक हिस्से में पानी लेने के लिए लंबी कतार लगी थी। गर्मी का दिन था, प्यास सबको सताए हुए थी। उस कतार में देश के एक बुजुर्ग कैदी खामोशी से अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे। वह कोई आम व्यक्ति नहीं, बल्कि वही लोकनायक जयप्रकाश नारायण थे—जिन्हें पूरा देश लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में जानता था। उनके सामने कई युवा कैदी थे, जो बेचैन होकर अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन वे पूरी शांति, संयम और विनम्रता के साथ खड़े रहे। न चेहरे पर क्रोध, न कोई शिकायत, न कोई विशेष मांग।

उसी कतार में उनके बगल में खड़ा था हाजी मस्तान—भारत का कुख्यात तस्कर, जिसकी

अपराध की दुनिया मुंबई से लेकर खाड़ी देशों तक फैली हुई थी। वह जेल में भी अपने वीआईपी रुतबे का आदी था। जेल अधिकारी उसके आगे-पीछे घूमते थे, वह हुक्म देता, सुविधाएँ मांगता और हर बात में अपनी अलग पहचान बनाकर रखना चाहता था। लेकिन जब उसकी नजर जयप्रकाश नारायण पर पड़ी—एक ऐसे व्यक्ति पर जो देशभर में 'लोकनायक' कहलाता था—तो वह दंग रह गया। उसने सोचा कि अगर इस दर्जे का आदमी, इतना बड़ा नेता, बिना किसी गुस्से या आदेश के, आम कैदी की तरह कतार में खड़ा रह सकता है, तो फिर वह किस अधिकार से अपने को दूसरों से ऊँचा मानता है?

वह दृश्य इतना गहरा था कि उसने मस्तान के भीतर छिपे अपराधी को नहीं, बल्कि इंसान को जगा दिया। कुछ ही दिनों में उसने जेल के भीतर अपने व्यवहार में बदलाव लाना शुरू किया। वह पहले जैसा घमंडी और अहंकारी व्यक्ति नहीं रहा। धीरे-धीरे वह आत्मचिंतन करने लगा, और जब 18 महीने बाद वह जेल से बाहर निकला, तो उसने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की कि वह अब अपराध की दुनिया को हमेशा के लिए छोड़ देगा।

इस घटना ने उस समय पूरे देश में सनसनी मचा दी। अख़बारों ने जब यह खबर प्रकाशित की, तो तस्वीरों में देखा गया कि जयप्रकाश नारायण के सामने हाजी मस्तान, यूसुफ पटेल, सुकरनारायण बखिया जैसे कई कुख्यात तस्कर ईमानदारी से जीवन जीने की शपथ ले रहे हैं। यह कोई सामान्य दृश्य नहीं था—यह एक संत की सादगी के सामने अपराध की अहंकारिता के आत्मसमर्पण का क्षण था।

जयप्रकाश नारायण ने न किसी को भाषण दिया, न उपदेश। उन्होंने केवल अपने आचरण से दिखाया कि सच्ची शक्ति वह नहीं जो लोगों को डराकर झुकाए, बल्कि वह है जो अपने चरित्र से दूसरों के भीतर की अच्छाई को जगा दे। उनके शांत और सादगीपूर्ण व्यवहार ने यह साबित कर दिया कि सत्य और विनम्रता में ऐसी चुम्बकीय शक्ति होती है, जो सबसे कठोर हृदय को भी बदल सकती है।

यह घटना केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि एक जीवित संदेश है—कि सादगी में जो नैतिक बल छिपा है, वह किसी तलवार या सत्ता से भी बड़ा होता है। जब इंसान अपनी पहचान को विनम्रता में ढाल लेता है, तो उसका अस्तित्व दूसरों के जीवन में रोशनी बन जाता है। जयप्रकाश नारायण की यह घटना आज भी हमें यह सिखाती है कि असली महानता दिखावे में नहीं, बल्कि सादगी और आत्मसंयम में होती है। यही सादगी की सच्ची शक्ति है — जो दूसरों को झुकाकर नहीं, बल्कि उन्हें भीतर से उठाकर बदल देती है।

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनाबद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रॅप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है।

प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनाबद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीघ्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारा कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिनिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है। इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा।

अभियान

शिव-पार्वती विवाह और गणेश पूजन की अद्भुत कथा

मुनियों की आज्ञा से एक दिन भगवान शिव और माता पार्वती ने गणेशजी का पूजन किया। जब यह प्रसंग आया कि गणेशजी का पूजन विवाह से पहले कैसे हो सकता है, तब वहाँ उपस्थित देवताओं और मुनियों ने स्पष्ट किया कि देवता अनादि हैं, वे जन्म-मरण के बंधन में नहीं बंधे। उनका स्वरूप कालातीत है, इसलिए यह प्रश्न ही निरर्थक है कि विवाह से पहले गणेश का अस्तित्व कैसे हुआ। भगवान शंकर और माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश का पूजन पूरे श्रद्धा और प्रेम से किया, जिससे सृष्टि में शुभता की ऊर्जा फैली और सारे लोक मंगलमय हो उठे। यह दृश्य इतना अद्भुत था कि सभी देवता पुष्प-वर्षा करने लगे।

अब समय आया शिव-पार्वती के दिव्य विवाह का। पर्वतराज हिमाचल ने पूरे ब्रह्मांड को सुसज्जित कर दिया था। चारों ओर मंगल ध्वनियाँ गूँज रही थीं, देवगण झूम उठे थे, और स्वर्गिक सुगंध से धरती सुवासित हो रही थी। विवाह की तैयारी इतनी भव्य थी कि ब्रह्मा, विष्णु, इंद्र, सभी देवता स्वयं उपस्थित हुए। महादेव साधारण वेश में बारात लेकर पहुँचे — शरीर पर भस्म, गले में सर्प, और सिर पर चंद्रमा की शोभा।

जब बारात हिमालय के द्वार पर पहुँची, तो देवांगनाएँ, अप्सराएँ और सिद्ध-मुनि उनका स्वागत करने लगे।

पार्वती की माता मैना को जब यह दृश्य दिखा, तो वे विचलित हो गईं। उन्हें लगा कि उनकी बेटी का विवाह ऐसे भूत-वेषधारी तपस्वी से कैसे होगा। उन्होंने मना करने की भी ठानी, किंतु उसी क्षण नारदजी ने उन्हें समझाया कि यह कोई साधारण योगी नहीं, स्वयं परमेश्वर हैं, जिनकी कृपा से सृष्टि चलती है। माता मैना ने आँसुओं के साथ अपने हृदय को शांत किया और अपने नेत्रों से आशीर्वाद बरसाया।

विवाह का मुहूर्त आरंभ हुआ। वेद-मंत्रों की गूंज के बीच भगवान शिव ने पार्वती के गले में वरमाला डाली। सभी देवता "हर हर महादेव" का उद्घोष करने लगे। ब्रह्मा, विष्णु और नारद ने इस दिव्य मिलन को युगों-युगों का सबसे पवित्र संयोग बताया। विवाह के पश्चात जब शिव और पार्वती ने सात फेरे लिए, तो समस्त दिशाओं में प्रकाश फैल गया। अग्नि स्वयं साक्षी बनी, और देवताओं ने पुष्पवर्षा से आकाश ढँक दिया।

विवाह के उपरांत हिमाचल ने बड़े प्रेम से अपनी पुत्री पार्वती को विदा किया। विदा का यह क्षण अत्यंत भावुक था। पर्वतराज की आँखों से आँसू बह निकले, लेकिन उन्होंने यह सोचकर हृदय को धैर्य दिया कि उनकी पुत्री स्वयं महादेव की अर्धांगिनी बनी है। जब माता पार्वती कैलाश की ओर बढ़ीं, तो देवता और गंधर्व वीणा और मृदंग बजा रहे थे। स्वयं शिव अपने परिवार के साथ आनंदपूर्वक कैलाश पहुँचे। वहाँ समस्त गण, योगिनी और सिद्ध उनका स्वागत करने लगे।

कैलाश पहुँचकर शिव और पार्वती ने कुछ समय तक एकांत में ध्यान और समाधि का आनंद लिया। उसके बाद उन्होंने दैवी लीला करते हुए संसार के कल्याण हेतु अनेक कार्य आरंभ किए। पार्वती माता ने अपनी सास, अर्थात् मैना देवी के उपदेश को सदैव स्मरण रखा कि स्त्री का परम धर्म अपने पति की सेवा और भक्ति में ही निहित है। शिव ने भी पार्वती को प्रेमपूर्वक धर्म, ध्यान और भक्ति के गूढ़ रहस्य बताए।

कुछ काल बीतने पर पार्वती और शिव से एक दिव्य बालक का जन्म हुआ — वह थे स्वामिकार्तिक, जिन्हें आगे चलकर तारकासुर नामक असुर का संहार करने के लिए जाना गया। जब यह समाचार स्वर्ग में पहुँचा, तो सभी देवता आनन्द से झूम उठे। तारकासुर का वध देवताओं के लिए महान विजय सिद्ध हुआ। इसी प्रकार शिव-पार्वती के मिलन से संसार में पुनः संतुलन स्थापित हुआ, धर्म की ज्योति प्रज्वलित हुई और समस्त प्राणी समुदाय को शांति प्राप्त हुई।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

12 अक्टूबर, शहरी विकास दिवस : श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के 24 वर्षों के दौरान गुजरात के शहरी क्षेत्रों में सुदृढ़ रोड, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी

▶▶ गुजरात में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट अहमदाबाद तथा मुंबई शहर को जोड़ेगा, अहमदाबाद में चल रही है मेट्रो ट्रेन
▶▶ अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के 89 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प
▶▶ राजकोट में हीरासर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट; जबकि सूरत में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कार्यरत, उडान योजना अंतर्गत राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में वृद्धि

(जीएनएस)। गांधीनगर : 7 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 24 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुजरात राज्य 7 से 15 अक्टूबर तक विकास सप्ताह मना रहा है। विकास सप्ताह अंतर्गत 12 अक्टूबर का दिन शहरी विकास दिवस के रूप में मनाया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री तथा भारत के प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के 24 वर्षों के नेतृत्व में गुजरात उल्लेखनीय शहरीकरण का साक्षी बना है। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात शहरीकरण की दिशा में लंबी छलांगें लगा रहा है। वर्ल्ड क्लास सिटी डेवलपमेंट को वेग देने के लिए राज्य सरकार द्वारा 2025 को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में सुदृढ़ रोड, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी के साथ उत्तम परिवहन सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। विशाल एवं चौड़े सड़क मार्गों, आधुनिक सुविधाओं से युक्त ट्रेनों व सुव्यवस्थित रेलवे नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट्स तथा बंदरगाहों के विकास के साथ गुजरात में एक सुविकसित परिवहन नेटवर्क है, जो गुजरात के नागरिकों को उत्तम कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

गुजरात में सड़क मार्गों का सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर

गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में सड़क मार्गों का विशाल नेटवर्क निर्मित करने पर बल दिया था। उनके नेतृत्व में गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी के लिए प्रगति पथ, शहरी विकास वर्ष अंतर्गत विकास पथ, राज्य के पर्यटन स्थलों को कनेक्टिविटी देने के लिए पर्यटक पथ और गाँवों के किसानों को शहरी क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी देने के लिए किसान पथ योजना लागू की गई थी।

आज समग्र राज्य में बढ़ रहे सड़क यातायात परिवहन के प्रबंधन के लिए ओवरब्रिज एवं अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। विशेषकर राज्य के चार महानगरों अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा व सूरत में ओवरब्रिज तथा अंडरब्रिज के निर्माण द्वारा एक सुदृढ़ रोड नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों के लिए सड़क परिवहन आसान बन रहा है।

उल्लेखनीय है कि फरवरी 2024 में द्वारका तथा बेट द्वारका को जोड़ने वाले अत्याधुनिक सिग्नेचर ब्रिज सुदर्शन सेतु का लोकार्पण किया गया, जिसके माध्यम से इन दो स्थलों के बीच परिवहन आसान बन गया। इसके साथ ही; गुजरात में जामनगर-बठिंडा हाईवे, वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे, पोरबंदर-द्वारका नेशनल हाईवे आदि का भी निर्माण किया जा रहा है, जो गुजरात के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक मजबूत बनाएंगे। इस वर्ष के बजट में नमोशक्ति एक्सप्रेस वे तथा सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेस वे; इन दो ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण की घोषणा की गई है। अनुमानित 36,120 करोड़ रुपए की लागत से नमोशक्ति एक्सप्रेस वे डीसा से पीपावाव तक निर्मित किया जाएगा, जिसकी लंबाई 430 किलोमीटर होगी। दूसरी ओर सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेस वे कुल 680 किलोमीटर का होगा, जो अनुमानित 57,120 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होगा। इससे अहमदाबाद, राजकोट व द्वारका के आसपास के क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी सुगम बनेगी। इसके अतिरिक्त; प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गुजरात में 3,048 गाँवों में 15,330 किलोमीटर लंबे सड़क मार्गों एवं 88 पुलों के निर्माण से अनुमानित 20 लाख से अधिक लोगों को लाभ हुआ, जबकि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 52,224 किलोमीटर लंबे सड़क मार्गों के निर्माण से 16 हजार गाँवों के 2.6 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

गुजरात में चल रही हैं अत्याधुनिक ट्रेनें, सुदृढ़ रेलवे नेटवर्क का निर्माण

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि के कारण आज गुजरात में मेट्रो ट्रेनें चल रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अमदाबाद तथा सूरत मेट्रो रेल परियोजनाओं की शुरुआत की थी और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में सितंबर 2022 में अहमदाबाद मेट्रो रेल के प्रथम चरण का और सितंबर 2024 में दूसरे चरण का प्रारंभ कराया था। इसके साथ ही सूरत मेट्रो का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

देश का सर्वप्रथम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट भी गुजरात में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुजरात का अहमदाबाद तथा महाराष्ट्र का मुंबई; ऐसे पहले शहर होंगे, जो तेज गति की इस बुलेट ट्रेन के प्रत्यक्ष गवाह बनेंगे। इसके अतिरिक्त; प्रधानमंत्री ने सितंबर 2022 में गुजरात में प्रथम वंदे भारत ट्रेन का प्रारंभ कराया था। आज गुजरात में 5 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसी प्रकार; केन्द्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के 89 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प होने जा रहा है, जिनमें से 18 रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री द्वारा मई 2025 में लोकार्पण किया गया है।

अत्याधुनिक एयरपोर्ट्स का निर्माण, क्षेत्रीय एयर कनेक्टिविटी का विकास

गुजरात में एयरपोर्ट्स का भी अत्याधुनिक विकास किया गया है। 1,405 करोड़ रुपए की लागत से राजकोट में हीरासर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस नए एयरपोर्ट के निर्माण के बाद राजकोट के व्यावसायिक विकास को वेग मिला है। इसके साथ ही; 3,400 करोड़ रुपए की लागत से सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कार्यरत किया गया है। इसी प्रकार; क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को वेग देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'उड़े देश का आम नागरिक' यानी उडान योजना लागू की गई है। इस योजना अंतर्गत गुजरात में भावनगर, जामनगर, कंडला, केशोद, मुंद्रा व पोरबंदर एयरपोर्ट पर कनेक्टिविटी बढ़ी है।

अहमदाबाद तथा सूरत का सफल बीआरटीएस बस प्रोजेक्ट

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अहमदाबाद में शुरू किया गया बीआरटीएस बस प्रोजेक्ट सबसे सफल प्रोजेक्ट है, जिसके तहत 350 इलेक्ट्रिक बसें आज 16 रूट पर चल रही हैं और दैनिक लगभग 1.5 लाख यात्री उसका लाभ ले रहे हैं। अहमदाबाद के अलावा सूरत में भी बीआरटीएस प्रोजेक्ट कार्यरत है, जहाँ 870 बसें 67 रूट पर चल रही हैं और दैनिक लगभग 1.80 लाख यात्री उसका लाभ ले रहे हैं।

विकास सप्ताह (पंचायती राज दिवस): "समरस से समृद्ध" हो रहीं गुजरात की पंचायतें, 24 वर्षों में 15,500 पंचायतें बनीं "समरस", 351 करोड़ का मिला अतिरिक्त अनुदान

▶▶ तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 29 अक्टूबर 2001 को गुजरात में लागू हुई थी समरस ग्राम योजना
▶▶ राज्य में अब तक 828 महिला समरस पंचायतें भी बनीं, इन्हें और ज्यादा मिलती है आर्थिक मदद
▶▶ विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 34 जिलों के ग्रामीण पंचायतों में होंगे 918 कार्यक्रम
▶▶ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सखी मंडलों और विभिन्न श्रेणियों में जिलों का सम्मान और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन

(जीएनएस)। गांधीनगर : 7 अक्टूबर 2001 को श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर प्रशासन के माध्यम से जनसेवा की प्रेरणादायक यात्रा शुरू की, जो इस वर्ष 24 वर्षों का गौरवपूर्ण पड़ाव पूरा कर रही है। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार 7 से 15 अक्टूबर तक राज्यव्यापी 'विकास सप्ताह' मना रही है, जिसमें से आज का दिन यानी 11 अक्टूबर पंचायती राज व्यवस्था और ग्राम स्तर पर सहभागिता को समर्पित है।

क्या है गुजरात का समरस ग्राम योजना मॉडल और क्यों है सबसे ख़ास?

उल्लेखनीय है कि श्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही दिनों में 29 अक्टूबर 2001 को गुजरात में समरस ग्राम योजना को लागू किया गया था जिसने आज गुजरात के ग्रामीण व पंचायत व्यवस्था का कायापलट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुजरात की "समरस ग्राम योजना" ग्रामीण लोकतंत्र का सफल मॉडल है, जिसमें ग्राम के सभी वार्ड सदस्य और सरपंच सर्वसम्मति से निर्विरोध चुने जाते हैं। इससे चुनाव में समय व संसाधन बचते हैं और विकास कार्य तेजी से होते हैं। निर्विरोध पंचायतें "समरस ग्राम पंचायत" कहलाती हैं, और यदि सभी सदस्य महिलाएं हों तो "महिला समरस ग्राम पंचायत"।

समरस ग्रामों को राज्य सरकार की ओर से विकास कार्यों के लिए सामान्य आवंटन से अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जाती है जिससे उनके यहाँ बुनियादी सुविधाएँ बेहतर हों। पिछले 24 वर्षों में राज्य सरकार ने समरस पंचायतों को 351.20 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान दिया है, जिसमें हाल ही में डेढ़ गुना की वृद्धि भी की है।

2001 से अब तक 15,553 ग्राम पंचायतें "समरस" बनीं, 828 महिला समरस पंचायतें

पंचायत विभाग के एडिशनल डेवलपमेंट कमिश्नर और विकास सप्ताह के तहत पंचायत विभाग दिवस के लिए स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. गौरव दहिया ने कहा, "तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई समरस ग्राम योजना ने गुजरात के ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाया है। यह योजना आज राज्य में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इससे ग्रामीण पंचायतों को विकास कार्यों के लिए सामान्य आवंटन से अतिरिक्त राशि मिलती है। अब तक 15,553 ग्राम पंचायतें समरस बनी हैं, जिनमें 828 महिला समरस पंचायतें शामिल हैं।"

विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 34 जिलों की ग्राम पंचायतों में 918 कार्यक्रमों का आयोजन

इस विकास सप्ताह में पंचायत विभाग के 24 वर्षों के कार्यों के उत्सव के संदर्भ में डॉ. गौरव दहिया ने महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने बताया, "विकास सप्ताह के अंतर्गत आज यानी 11 अक्टूबर को राज्य सरकार द्वारा विकास रथ के विशेष आयोजन से तीन प्रमुख गाँवों में कार्यक्रम होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण जीवन में बदलाव लाना और योजनाओं के लाभ सीधे पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्य के 34 जिलों में भी 9 दिनों तक विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन होने जा रहा है जिसमें तीन चरणों में कुल 918 कार्यक्रम होंगे। इसमें विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जाएगा और विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा।"

विभिन्न श्रेणी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सखी मंडल और जिलों का सम्मान, विभिन्न स्थानीय उत्पादों का भी प्रदर्शन

पंचायत विभाग के एडिशनल डेवलपमेन्ट कमिश्नर डॉ. गौरव दहिया के अनुसार, आज गुजरात लाइवलीहुड प्रमोशन कंपनी लिमिटेड (GLPC) द्वारा सखी मंडलों के उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम में राजकोट से 2, अमलेरी, मोरबी और जूनागढ़ से एक-एक सखी मंडल को भी पुरस्कृत किया जा रहा है। साथ ही, इस अवसर पर गुजरात की विभिन्न सखी मंडलों के उत्पादों और उनके कार्यों के स्टॉल्स का प्रदर्शन भी हो रहा है।

साथ ही, आज के ही दिन स्वच्छता ही सेवा अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिलों को भी सम्मानित किया जा रहा है, जिसमें आदिजाति जिले में डांग, नॉन-ट्राइबल जिले में अहमदाबाद, श्रेष्ठ तहसील में खेडा, श्रेष्ठ ग्राम पंचायत में नवसारी, श्रेष्ठ ग्राम में भरुच, श्रेष्ठ शाला में राजकोट, श्रेष्ठ सखी मंडल में साबरकांठा और श्रेष्ठ सार्वजनिक शौचालय में भावनगर को पुरस्कार देने का आयोजन है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में वृद्धि

(जीएनएस)। भारतीय रेल द्वारा समावेशी और सुलभ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए आधुनिकतम सुविधाओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है, जो सार्वभौमिक सुगम्यता और यात्री सुविधा के प्रति भारतीय रेल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल और गांधीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सुगमतापूर्वक चढ़ने और उतरने की सुविधा हेतु इन सुविचारित उपायों का उदाहरण है। व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए एक ढलानदार संरचना प्रदान की गई है, जिसके निर्धारित दरवाजों पर आसान पहचान के लिए दिव्यांगजन लोगो प्रदर्शित किए गए हैं। यह ट्रेन दिव्यांगजन यात्रियों की सहायता के लिए स्वचालित दरवाजों से सुसज्जित है जो आसानी

से खुलते और बंद होते हैं। व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए सुगम पहुँच और आराम सुनिश्चित करने के लिए एक हल्का ढलान भी जोड़ा गया है। उनकी पहुँच को आसान बनाने के लिए निर्दिष्ट डिब्बों में पोर्टेबल रैंप उपलब्ध हैं, जिससे व्हीलचेयर का आसानी से आवागमन सुनिश्चित होता है। इसके अलावा, अतिरिक्त आस-पास की जगह वाले विशेष बैठने के क्षेत्र बनाए गए हैं, जिनकी पहचान कोच की साइड दीवार पर लगे दिव्यांगजन लोगो से होती है। यात्रा के दौरान स्थिरता और सुरक्षा के लिए हैंडरेल युक्त व्हीलचेयर पार्किंग की जगह उपलब्ध है। आसान पहचान और सुविधा के लिए स्टिकर और साइनेज स्पष्ट रूप से अंकित किए गए हैं।

श्री विनीत ने आगे बताया कि दृष्टिबाधित यात्रियों की सहायता के लिए, सीट संख्या, कोच के प्रवेश द्वार और शौचालय जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर ब्रेल लिपि साइनेज लगाए गए हैं, जिससे स्वतंत्र गतिशीलता और आराम की सुविधा मिलती है।

इन व्यापक अपग्रेडेशनों के साथ भारतीय रेल न केवल सुगम्यता को बढ़ा रही है, बल्कि सभी के लिए बाधा-मुक्त, समावेशी और सम्मानजनक यात्रा के अपने दृष्टिकोण को भी सुदृढ़ कर रही है। मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस पश्चिम रेलवे की एक गौरवशाली उपलब्धि है। यह राष्ट्रीय रेल नेटवर्क पर प्रगति, नवाचार और समावेशिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसी पहलों के माध्यम से भारतीय रेल गति, आराम और समावेशिता को एकीकृत करके आधुनिक रेल यात्रा के मानकों को पुनः परिभाषित करना जारी रखे हुए है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक यात्रा न केवल कुशल हो, बल्कि सभी यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति समान और सम्मानजनक भी हो।

पशिचम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी.तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम और साबरमती-हरिद्वार के बीच विशेष किराए पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल–शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल [92 फेरे]

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल–शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन मुंबई सेंट्रल से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती–मुंबई सेंट्रल एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन शकूर बस्ती से 10:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां और दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09471/09472 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल [10 फेरे]

ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 01:30 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 11 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09472 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गांधीधाम से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद और सामाख्याली स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल [28 फेरे]

ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार और शनिवार को साबरमती से 08:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे हरिद्वार पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार और रविवार को हरिद्वार से 21:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फर नगर और रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 09003, 09471, 09472 एवं 09425 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 12.10.2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर रेलवे मंडल पर नव नियुक्त 48 तकनीशियन – III कर्मचारियों के लिए प्रवेश पाठ्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल को रेलवे भर्ती बोर्ड, अहमदाबाद द्वारा इलेक्ट्रिक एवं मैकेनिकल विभाग में 70 तकनीशियन – III का पैनल प्राप्त हुआ है, जिनमें से 48 तकनीशियन – III ने भावनगर मंडल में रिपोर्ट किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन नव नियुक्त तकनीशियनों को रेलवे की कार्यप्रणाली से अवगत कराने हेतु 10 अक्टूबर, 2025 को प्रवेश पाठ्यक्रम (Induction Training) का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में रेलवे के विविध नियमों, कार्य प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर श्री दिनेश वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक – भावनगर परा ने उपस्थित कर्मचारियों को रेलवे के महत्वपूर्ण कार्यों तथा उनमें कर्मचारियों की जिम्मेदार भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी नव नियुक्त कर्मचारियों का रेल परिवार में स्वागत करते हुए सुरक्षा एवं संरक्षा के प्रति सजग रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में श्री हिमाँशु शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक – भावनगर परा सहित विभिन्न शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने नव नियुक्त कर्मचारियों को विभागीय कार्यप्रणाली, तकनीकी दायित्वों एवं सुरक्षित यात्री सेवा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

यात्रियों की सुविधा हेतु भावनगर मंडल की तीन जोड़ी पैसेन्जर ट्रेनों में स्थायी रूप से लगाए जाएंगे एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच

यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल की तीन जोड़ी पैसेन्जर ट्रेनों में स्थायी रूप से एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच लगाने का निर्णय लिया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इन कोचों की वृद्धि से यात्रियों को अधिक सुविधा प्राप्त होगी तथा यात्रा अनुभव में सुधार होगा।

विस्तृत विवरण निम्नानुसार है –

1.ट्रेन संख्या 59553/59554 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में

▶▶ गांधीग्राम से दिनांक 14.10.2025 से
▶▶ बोटाद से दिनांक 15.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

2.ट्रेन संख्या 59555/59556 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में

▶▶ गांधीग्राम से दिनांक 14.10.2025 से
▶▶ बोटाद से दिनांक 15.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

3.ट्रेन संख्या 09211/09212 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक स्पेशल ट्रेन में

▶▶ गांधीग्राम से दिनांक 15.10.2025 से
▶▶ बोटाद से दिनांक 14.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने बताया कि इन कोचों की वृद्धि से यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी और यात्रा अधिक आरामदायक एवं सुगम बनेगी। पश्चिम रेलवे निरंतर यात्रियों की सुविधा एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार हेतु तत्पर है।

पशिचम रेलवे चलायेगी साबरमती-हरिद्वार और गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-हरिद्वार और गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती–हरिद्वार द्वि साप्ताहिक एसी स्पेशल (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल 15 अक्टूबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति बुधवार और शनिवार साबरमती से 08.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05.30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती स्पेशल 16 अक्टूबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक प्रति गुरुवार और रविवार हरिद्वार से 21:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 21:30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जं., अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गाँव, दिल्ली कैंट, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर एवं रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3 टियर श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09472/09471 गांधीधाम–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [10 फेरे]

ट्रेन संख्या 09472 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 13 अक्टूबर 2025 से 10 नवंबर 2025 तक प्रति सोमवार गांधीधाम से 20.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल 14 अक्टूबर 2025 से 11 नवंबर 2025 तक प्रति मंगलवार बांद्रा टर्मिनस से 12.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 01.30 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सामाख्याली, हलवद, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09425, 09472 और 09471 की बुकिंग 12 अक्टूबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर मंडल पर "स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत,"स्वच्छ नीर" अभियान का आयोजन

"स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को "स्वच्छ नीर" विषय पर विविध स्वच्छता गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री एस. के. मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों में पेयजल नल क्षेत्रों की गहन सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। भावनगर, जेतलसर, जूनागढ़, वेरावल, बोटाद एवं पोरबंदर स्टेशनों पर हेल्थ इंस्पेक्टर एवं स्टेशन कर्मचारियों की टीमों द्वारा पेयजल क्षेत्रों की सफाई, पाइपलाइन एवं जल भंडारण टैंकों की जांच की गई।

कोच जल भराई बिंदुओं पर कर्मचारियों को हाइड्रेंट पाइप के समुचित रखरखाव हेतु परामर्श दिया गया। साथ ही विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों से जल के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की गई। इस अभियान के तहत कुल 10 स्थानों पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें लगभग 40 कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

"स्वच्छ नीर" अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छ, सुरक्षित एवं पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

अभियान से यात्रियों को प्राप्त लाभः

यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।
स्टेशन परिसरों में स्वच्छता स्तर में सुधार से समग्र वातावरण और स्वच्छ हुआ।
जल गुणवत्ता की नियमित जांच से यात्रियों का रेलवे सेवाओं पर विश्वास बढ़ा।
बेहतर रखरखाव से जल आपूर्ति में निरंतरता एवं पर्याप्त दबाव बना रहा।
स्वच्छ जल से जलजनित बीमारियों का खतरा कम हुआ, जिससे यात्रा और अधिक सुरक्षित व सुखद बनी।

"स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत भावनगर मंडल द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं स्वस्थ परिवेश प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ का "इल्युमिनेट 4.0" — इंजीनियरिंग के लिए एक सतत भविष्य की प्रेरणा

(जीएनएस)। एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ (BSE: 540115, NSE: LTTS), जो एआई, डिजिटल और ईआर एंड डी कंसल्टिंग सेवाओं में एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (PDEU) के सहयोग से अपने प्रमुख पहल "इल्युमिनेट" के चौथे संस्करण का सफल आयोजन वडोदरा में किया। यह आयोजन पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें 1,000 से अधिक छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय था — "स्मार्ट इंडस्ट्री, सस्टेनेबल फ्यूचरः इंडिया की अगली छलांग के लिए इंजीनियरिंग इनोवेशन।"

कार्यक्रम में भारत के कुछ प्रमुख वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। मुख्य वक्ता डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य नीति आयोग एवं पूर्व प्रमुख, डीआरडीओ, तथा डॉ. चेतन सोलंकी, संस्थापक – एनर्जी स्वराज फाउंडेशन, ने इंजीनियरिंग के भविष्य पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

डॉ. सारस्वत ने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने के लिए विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त करना होगा, एआई आधारित स्मार्ट प्रक्रियाओं को अपनाना होगा और आयात पर निर्भरता घटानी होगी। उन्होंने सतत विनिर्माण (sustainable manufacturing) और स्वदेशी नवाचार (indigenous innovation) के महत्व पर बल दिया, जिससे भारत की सामरिक क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों मजबूत हों। डॉ. चेतन सोलंकी ने सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग और सतत उपभोग (sustainable consumption) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा उपयोग को घटाना और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ना जलवायु परिवर्तन से निपटने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक है। डॉ. मधुकर गर्ग, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग एवं पेट्रोकेमिकल्स के विशेषज्ञ और रिलायंस इंडस्ट्रीज में पूर्व आरएंडडी अध्यक्ष रहे हैं, ने परिपत्र अर्थव्यवस्था (Circular Economy) और ग्रीन कार्बन समाधानों के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता और उत्सर्जन में कमी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक फायरसाइड चैट रहा, जिसका संचालन एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ के चीफ सेगमेंट ऑफिसर (प्रोसेस इंडस्ट्री) सुबरत त्रिपाठी ने किया। इस सत्र में डॉ. सारस्वत, डॉ. गर्ग, डॉ. सोलंकी और PDEU के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. अनिर्बिद सिरकार ने भाग लिया। चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि उन्नत इंजीनियरिंग भारत के औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. सारस्वत ने सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ मटेरियल्स और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्माण को बढ़ावा देने और उत्पादकता सुधार के लिए एआई एवं डिजिटल उपकरणों के उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा ने कार्यक्रम की सफलता पर कहा — "वडोदरा में इल्युमिनेट 4.0 के माध्यम से हमारा उद्देश्य वर्तमान इंजीनियरों और भविष्य के नवाचारकर्ताओं के बीच एक सशक्त सेतु बनाना था। प्रतिभागियों का उत्साह और सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि हम उत्कृष्टता और सतत नवाचार की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह आयोजन भारत और विश्व के बेहतर भविष्य के लिए अगली पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

कार्यक्रम में युवा नवप्रवर्तकों कार्तिकेय हरियाणी, शनि पंड्या, और आदित्य शुक्ला ने भी अपने तकनीकी विचार साझा किए, जिन्होंने ग्रीन एनर्जी, शहरी स्थिरता और परिपत्र अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में अपने नवाचारी कार्य प्रस्तुत किए — जिससे इस आयोजन का "भविष्य उन्मुख इंजीनियरिंग" पर केंद्रित दृष्टिकोण और मजबूत हुआ।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में गुजरात विद्यापीठ का 71वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न

▸▸विद्यार्थी गांधीजी के आदर्शों को आत्मसात कर आत्मनिर्भर भारत के संवाहक बनें : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

▸▸हम सभी स्वदेशी अपना कर राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करें : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

▸▸युवाशक्ति गांधी मूल्यों एवं स्वदेशी के संवाहक बनकर 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करेगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸पहली बार गुजरात विद्यापीठ द्वारा अभ्यास के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया

▸▸राष्ट्रपति के करकमलों से 7 विद्या संकायों के 18 विभागों के लगभग 713 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं

(जीएनएस)। गांधीनगर, 11 अक्टूबर : राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ का 71वाँ दीक्षांत समारोह शनिवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में विद्यापीठ परिसर में आयोजित हुआ।

गुजरात विद्यापीठ के कुलाधिपति तथा गुजरात एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने स्नातकों को डिग्रियाँ प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित रह कर विद्यार्थियों को उत्साह बढ़ाया। राष्ट्रपति द्वारा 7 विद्या संकायों के 18 विभागों के लगभग 713 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

पहली बार गुजरात विद्यापीठ द्वारा अभ्यास के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति श्रीमदी दौपदी मुर्मु ने गुजरात विद्यापीठ के ऐतिहासिक परिसर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के मुख्य कार्य स्थल इस पवित्र भूमि पर उन्हें अत्यंत आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों की इस भूमि से बापू की पावन स्मृति को आदरपूर्वक नमन किया।

राष्ट्रपति ने विद्यापीठ के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1920 में ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असहयोग आंदोलन के दौरान गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की गई थी। उस समय देशवासियों का ब्रिटिश शासन अधीनस्थ विद्यालयों व महाविद्यालयों का त्याग कर राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने का आह्वान किया गया था। इस आह्वान के चलते देशवासियों के संसाधनों से निर्मित यह विद्यापीठ राष्ट्र निर्माण एवं आत्मनिर्भरता के जीवंत आदर्शों की 105 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक प्रतीक है। उन्होंने जोड़ा कि अक्टूबर 1920 में स्थापना से लेकर जनवरी 1948 तक स्वयं महात्मा गांधी इस संस्थान के कुलाधिपति रहे। उनके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद व श्री मोरारजी देसाई जैसे महापुरुषों ने कुलाधिपति के रूप में विद्यापीठ को मार्गदर्शन दिया। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि देश में शायद ही ऐसा कोई संस्थान होगा, जिसे 75 वर्षों तक ऐसी महान विभूतियों का मार्गदर्शन मिला हो और इस कारण देशवासियों को विद्यापीठ से विशेष अपेक्षाएँ होना स्वाभाविक हैं।

राष्ट्रपति ने ऐतिहासिक दांडी यात्रा से पूर्व के एक दीक्षांत समारोह को याद करते हुए कहा कि गांधीजी ने उस समय विद्यार्थियों का देश के स्वराज आंदोलन में अग्रसर रहने का आह्वान किया था। यह दर्शाता है कि बापू विद्यापीठ के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी के रूप में देखते थे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा 50,000 ग्राम विचरण कर की गई समाज सेवा की गतिविधि की प्रशंसा की।

गुजरात की स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता की संस्कृति का उल्लेख करते हुए श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश-विदेश में गुजरातियों ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मनिर्भरता की इस संस्कृति के संवाहक बनकर उसे समग्र देश में प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा, "स्वदेशी के राष्ट्रव्यापी अभियान में आपको सक्रिय भूमिका निभानी है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना के साथ स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना है।" गांधीजी के विचारों को उद्धृत कर राष्ट्रपति ने कहा कि आशा की किरण बाहर नहीं, बल्कि हमारे हृदय के भीतर खोजनी है। उन्होंने विद्यापीठ के सूत्र 'सा विद्या विमुक्तये' का अर्थ समझाते हुए कहा कि जो विद्या मुक्ति दिलाए, वही सच्ची विद्या है। केवल आजीविका के लिए विद्या ग्रहण करना उचित नहीं है, कारण कि विद्या तो आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति को ध्यान में रखकर जीवन जीने तथा समाज सेवा द्वारा देश का ऋण चुकाने की प्रेरणा दी। उन्होंने 'सर्वोदय' के सिद्धांत का अनुकरण कर समाज के वंचित वर्गों के हित में काम करने तथा पर्यावरणानुकूल विकास के लिए प्रयास करने को कहा।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विद्यापीठ से स्नातक होने वाले बेटों की संख्या बेटियाँ अधिक हैं। बेटियों को शिक्षा में समान अवसर तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेष सविधाएँ मिलनी चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस नीति ने स्थानीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा, चरित्र निर्माण तथा नैतिक मूल्यों को शिक्षा के मूल में स्थान दिया है।

अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि पूज्य बापू ने गुजरात विद्यापीठ की स्थापना केवल शिक्षा के लिए नहीं की थी, बल्कि राष्ट्र को दासता की मानसिकता से मुक्त करने का उनका उद्देश्य था। बापू ने सत्य, अहिंसा एवं भारतीय मूल्यों के आधार पर स्वतंत्रता का मार्ग दर्शाया था। राज्यपाल ने आगे कहा कि दीक्षांत समारोह प्रत्येक संस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग है। आज आप सबने जो डिग्री प्राप्त की है, वह केवल आपके लिए नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के लिए जिम्मेदारी की शुरुआत है।

राज्यपाल ने भारतीय परंपरा में गुरु द्वारा शिष्य को दिए जाने वाले अंतिम उपदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्य का आचरण करना, धर्म यानी कर्तव्य का पालन करना और निरंतर अध्ययन करते रहना ही विद्यार्थियों का मुख्य ध्येय होना चाहिए। सतत अभ्यास से ही ज्ञान समृद्ध बनता है।

आचार्य देवव्रत ने विद्यार्थियों को उन्हें मिले ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखने की सलाह देते हुए कहा कि जिस प्रकार बादल समुद्र के खारे पानी से अच्छा पानी खींच कर उसे जरूरतमंदों के लिए बरसाते हैं, उसी प्रकार आपको भी अपना ज्ञान राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित करना चाहिए।

पूज्य बापू के आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी आधारित राष्ट्र निर्माण के विचार का उल्लेख कर राज्यपाल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत की दिशा में देश के ओगा ले जा रहे हैं। यदि हम सभी स्वदेशी अपना कर राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे, तो पूज्य बापू के सपनों का भारत बना सकेंगे।

उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि विद्यार्थी उनके परिवार, समाज तथा राष्ट्र के लिए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें।

गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में डिग्रीधारी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जब अमृतकाल में स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर गति कर रहा है, तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा स्थापित इस संस्थान से दीक्षांत का अवसर गौरवमय है।

श्री पटेल ने जोड़ा कि परम सम्माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से डिग्री प्राप्त करने का सौभाग्य मिलना विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

मुख्यमंत्री ने गुजरात विद्यापीठ की विरासत को याद करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने 1920 में युवाशक्ति को सत्य, अहिंसा तथा आत्मनिर्भर भारत के शाश्वत विचारों के साथ राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करने के लिए इस विद्यापीठ की स्थापना की थी। स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असहयोग आंदोलन की नींव रही इस विद्यापीठ का आज का दीक्षांत समारोह विकसित तथा आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत के संवाहक युवाओं के समाज में पदार्पण का अवसर बना है।

दीक्षांत समारोह की प्राचीन परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में गुरुकुल में शिक्षा पूर्ण होने के बाद ऋषि कुमारों को समाज तथा राष्ट्र के लिए शिक्षा का उपयोग करने का उपदेश दिया जाता। भगवान श्री राम, श्री कृष्ण तथा पांडव भी गुरुकुल में शिक्षित-दीक्षित हुए थे।

उन्होंने कहा कि आज उसी गुरुकुल परंपरा का स्थान आधुनिक विश्वविद्यालयों ने लिया है और गुजरात विद्यापीठ मूल्यनिष्ठ तथा समयानुकूल शिक्षा देने वाले विशिष्ट संस्थान के रूप में उभरी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमत्री ने कहा कि श्री मोदी साहब ने सुराज्य यानी गुड गवर्नेंस का मंत्र दिया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाया है। उन्होंने खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन के आह्वान द्वारा स्वदेशी को प्रोत्साहन दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 11 वर्षों में खादी की बिक्री में 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि है।

श्री पटेल ने जोड़ा कि विद्यापीठ एक शताब्दी से अधिक समय से गांधीजी के सत्य, अहिंसा एवं श्रम के मूल्यों को जीवंत करने में सफल रही है। इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री भी युवाओं के राष्ट्र 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का सिंचन कर रहे हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, युवा, अन्नदाता तथा नारीशक्ति (ग्यान) को विकसित भारत के चार मुख्य स्तंभ कहा है, जिसमें युवाशक्ति को विशेष महत्व दिया है। पिछले एक दशक में स्किल, शिक्षा तथा स्टार्टअप जैसे इनिशिएटिव द्वारा युवाओं को सशक्त बनाया है और नई शिक्षा नीति द्वारा युवाओं के इनोवेशन को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

डिग्रीधारी विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, "विद्यापीठ के विद्यार्थी अन्यों की तुलना में विशेष हैं, कारण कि आपने शिक्षा के साथ स्वानुशासन, श्रम का गौरव तथा स्वदेशी जैसे मूल्य आत्मसात किए हैं।" उन्होंने बदलते वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता तथा स्वदेशी की बढ़ती महत्ता पर बल दिया और प्रधानमंत्री द्वारा शुरू कराए गए 'हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी' अभियान का संवाहक बन कर समाज में जागरूकता लाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मतानुसार हर वस्तु का विकल्प हो सकता है, लेकिन स्किल, इनोवेशन तथा मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और ये तीनों शक्तियाँ देश के नवयुवाओं में रही हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इसी शक्ति से हम आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर का निर्माण कर सकेंगे।

अंत में उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर स्नातक हुए विद्यार्थियों ने दीक्षांत प्रतिज्ञा ली।

कुलपति श्री हर्ष पटेल ने स्वागत संबोधन में कहा कि विद्यापीठ ने नई शिक्षा नीति को शिक्षा तथा व्यवहार; दोनों में अपनाया है। उन्होंने विद्यापीठ द्वारा समाज में स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए लागू की गईं विभिन्न परियोजनाओं तथा पहलों की चर्चा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यापीठ से स्नातक हुए विद्यार्थी सद्भाव, सेवा एवं आत्मनिर्भरता के विचारों को चरितार्थ करेंगे।

इस अवसर पर गुजरात विद्यापीठ के प्राध्यापक, शिक्षाविद् जैसे महानुभाव तथा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को उजागर करने वाली 'मेरा देश पहले' की प्रस्तुति ने गुजरात में जगाई नए भारत की भावना

▸▸मनोज मुंतशिर लिखित-निर्मित 'मेरा देश पहले – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' का गुजरात में प्रथम मंचन देखने के लिए गिफ्ट सिटी में उमड़ी युवाशक्ति की भीड़

▸▸प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार सहित 200 से अधिक कलाकारों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा के अनेक पहलुओं का वर्णन करने वाली रोमांचक म्यूजिकल गाथा प्रस्तुत की

(जीएनएस)। गांधीनगर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आकार ले रहे नए भारत के रूपांतरण की रोमांचक कहानी 'मेरा देश पहले' का गुजरात में सर्वप्रथम भव्य शो शुक्रवार को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आयोजित हुआ।

श्री नरेन्द्र मोदी की उनकी जन्मभूमि वडनगर शुरू हुई प्रेरणादायी जीवनयात्रा से लेकर अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत को विश्व गौरव दिलाने तक की समग्र रोमांचक यात्रा एवं राष्ट्र को समर्पित उनके जीवन के अनकहे पहलुओं की न केवल प्रस्तुति सांस्कृतिक बनी, बल्कि राष्ट्रीय जनचेतना के आंदोलन को दर्शकों की दृष्टि के समक्ष सदृश्य करने वाली भी बनी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों, व्यापार-उद्योग जगत के अग्रणियों सर्वश्री पंकज पटेल, प्रणव अदाणी, टोरेंट परिवार, एसोचैम के श्री चिंतन ठाकर सहित अनेक गणमान्य अधिकारियों, उद्योगकारों-कारोबारियों तथा मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, वरिष्ठ सचिवों और उच्चाधिकारियों ने इस मंचन को देखा।

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वडनगर के विद्यालय के साहसी विद्यार्थी के रूप में शुरू की यात्रा, सोमनाथ-अयोध्या रथयात्रा, कश्मीर तक की एकता यात्रा तथा अलगाववादियों की धमकी की चुनौती को स्वीकार कर श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराने और प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेना को दिए गए मार्गदर्शन से लेकर ऑपरेशन सिंदूर की शौर्य गाथा, राम मंदिर निर्माण संकल्प के साकार होने सहित समग्र घटनाक्रम का दृश्या-श्राव्य एवं संगीतमय मंचन सभी के आकर्षण का केन्द्र बना।

लेखक, निर्माता तथा प्रस्तुतकर्ता मनोज मुंतशिर के रसपूर्ण व सटीक संचालन के साथ प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार सहित 200 से अधिक कलाकारों ने गिफ्ट सिटी परिसर को राष्ट्र भक्तिमय बना दिया। इस शो को निहारने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ी युवाशक्ति और सामाजिक जीवन के अग्रिणयों की उपस्थिति ने सिद्ध किया है कि 'मेरा देश पहले' केवल कोई साधारण शो नहीं, अपितु नई पीढ़ी की विचारधारा का प्रतीक बन गया है।

'मेरा देश पहले – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' की देशभर में हो रही यह प्रस्तुति इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'नेशन फर्स्ट' की भावना अब ऐतिहासिक-सांस्कृतिक आंदोलन बन गई है। इसमें प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात के युवा सहित हर कोई उत्साह से जुड़ रहा है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर ऊष्मापूर्ण स्वागत किया

गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहने के लिए अहमदाबाद पधारीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)। गांधीनगरः गुजरात यात्रा अंतर्गत गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में सहभागी होने के लिए अहमदाबाद की धरती पर पधारीं भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ऊष्मापूर्ण स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रोटोकॉल राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों तथा अफसरों ने भी राष्ट्रपति का अभिवादन कर उनका स्वागत किया।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर दी गई भावपूर्ण विदाई

राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को भावपूर्ण विदाई दी

(जीएनएस)। गांधीनगर, 11 अक्टूबर : भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु गुजरात यात्रा अंतर्गत गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में सहभागी होकर नई दिल्ली रवाना हो गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रपति को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर विदाई दी।

इस अवसर प्रोटोकॉल राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं अफसरों ने भी राष्ट्रपति को भावपूर्ण विदाई दी।

'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान में उल्लेखनीय कार्य के लिए अहमदाबाद को 'श्रेष्ठ जिला' को अवॉर्ड प्राप्त हुआ

▸▸मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से अहमदाबाद जिले को स्वच्छता का 'नॉन-ट्राइबल श्रेष्ठ जिला' अवॉर्ड दिया गया

(जीएनएस)। गांधीनगर, 11 अक्टूबर : भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत राज्यभर में आयोजित हुए 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान में अहमदाबाद जिले ने उल्लेखनीय कामकाज कर समग्र राज्य में अनूठा स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से अहमदाबाद जिले को 'नॉन-ट्राइबल श्रेष्ठ जिला' का अवॉर्ड प्रदान किया गया है। इस अवसर पर अहमदाबाद जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के निदेशक श्री एम. एम. देसाई का विशेष सम्मान किया गया, जो जिले के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ग्रामीणजनों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। यहाँ उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद जिले को मिला यह पुरस्कार केवल प्रशस्ति पत्र नहीं है, अपितु एक प्रेरणा का प्रतीक है कि किस प्रकार संकल्प, समर्पण एवं संयुक्त प्रयासों से किसी भी अभियान को लोक कल्याण में बदला जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति के अतिरिक्त अनुदान के रूप में 576 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान का प्रारंभ कराया

मुख्यमंत्री ने विकास सप्ताह अंतर्गत 'विकसित गाँव, विकसित गुजरात' कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत श्रेष्ठता के लिए सम्मान एवं स्वयं-सहायता समूहों का अभिवानदन किया

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

▸▸समरस ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहक अनुदान देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से समरसता तथा ग्रामीण विकास को वेग मिला है

▸▸ग्राम पंचायतों को सशक्त-समृद्ध गुजरात का आधार बनाकर विकास में सहभागी करने की प्रधानमंत्री की मंशा साकार हुई

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति (मुआवजे) के अतिरिक्त अनुदान के रूप में शनिवार को राजकोट से 576 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान का प्रारंभ कराया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सफल दायित्व संभाल कर आज प्रधानमंत्री के रूप में देश को दिए गए सुशासन एवं विकास का उत्सव गुजरात में हर वर्ष 7 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के दौरान विकास सप्ताह के रूप मनाया जाता है।

इस वर्ष के विकास सप्ताह के पाँचवें दिन शनिवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा महानुभावों की प्रेरक उपस्थिति में राजकोट में राज्य स्तरीय 'विकसित गाँव, विकसि गुजरात' कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम में श्री पटेल ने राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति की अतिरिक्त अनुदान राशि के भुगतान का प्रतीक के रूप में शुभारंभ कराने के साथ ही 'स्वच्छता ही सेवा' अंतर्गत श्रेष्ठ कामकाज करने वाली पंचायतों सहित लगभग आठ सरकारी संस्थाओं का सम्मान एवं चार स्वयं-सहायता समूहों का अभिवादन भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को वेग देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य में चुंगी कर निर्मूलन किया था। चुंगी कर की आय के अभाव में गाँवों का विकास न रुके व विकास कार्य निरंतर चलते रहें; इसके लिए पिछले एक दशक में राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति के रूप में 576 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान दिया गया है। इतना ही नहीं; गाँवों में सड़क, बिजली, पानी जैसे ढांचागत विकास के लिए प्रधानमंत्री ने वित्त आयोग के अनुदान में उत्तरोत्तर वृद्धि की है।

श्री पटेल ने कहा कि समरस पंचायतों को प्रोत्साहक अनुदान देने के प्रधानमंत्री के निर्णय से ग्राम पंचायतों के विकास को वेग मिला है और इस वर्ष तो राज्य में 761 ग्राम पंचायतें समरस हुई हैं। पंचायती राज शासन में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है और इस वर्ष 42 प्रतिशत सरपंच 21 से 40 वर्ष के हैं। पीएचडी कर चुके अनेक युवा भी सरपंच बनकर गाँव का नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सक्षम पंचायतों को सशक्त-समृद्ध गुजरात का आधार बनाया है तथा ग्रामीण विकास के समरस ग्राम, तीर्थग्राम, ई-ग्राम विश्वग्राम, ज्योतिग्राम, पावनग्राम जैसे अनेक सफल आयाम दिए हैं।

प्रधानमंत्री के शासन में विकास कार्यों की सकारात्मक मानसिकता एवं कार्य संस्कृति के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय महानगर पालिका में 10 हजार रुपए के कार्य की स्वीकृति में लंबा समय लगता था, परंतु आज एक करोड़ रुपए तक के कार्य तो पार्षद भी करा सकते हैं।

ग्रामीण विकास तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सखी मंडलों को हर प्रकार की सहायता करने के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर होती है। ड्रोन दीदी योजना से महिलाएँ आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की रजत जयंती होने जा रही है। उनकी राजनीतिक यात्रा में राजकोट के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट की जनता द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास आज देश के 140 करोड़ नागरिकों का जन विश्वास बना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत का संकल्प साकार करने के लिए सुदूरवर्ती मानव को विकास की मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सरकारी योजनाओं के निर्माण में छोटे से छोटे व्यक्ति को केन्द्र में रखने की चिंता करते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों में जगाए गए विश्वास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' में खिलौनों का आयात कम करने को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान के बाद देश में तसवीर बदली और आज भारत में बने खिलौने 143 देशों में निर्यात होते हैं। वाइब्रेंट समिट से सुदूरवर्ती क्षेत्र तक व्यवसाय-रोजगार बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा दी गई प्रेरणा का अनुकरण करते हुए गुजरात में रीजनल वाइब्रेंट समिट आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को साकार करने के लिए हम स्वदेशी को अपनाएँ, स्वदेशी वस्तुएँ ही बेंचें, खरीदें तथा उनका उपयोग करें।

इस अवसर पर सांसद श्री परसोत्तम रूपाला ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के कारण आज सरकारी प्रशासन में गाँव केन्द्र में आया और गोकुल गाँव, निर्मल गाँव तथा समरस गाँव जैसे दृष्टिकोण से ग्रामीण विकास को वेग मिला। सरपंच गाँव की प्रगति पर गर्व करने लगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के शासन में गाँवों की उल्लेखनीय प्रगति के कारण अनेक गाँवों को 'विकसित गाँव' का दर्जा मिला है। प्रधानमंत्री के निर्णय के कारण 14वें वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों को आवश्यक अधिकार, व्यवस्था एवं सत्ता देने संभव हुआ है। विकास सप्ताह उत्सव के माध्यम से गुजरात सरकार की अनावरत विकास यात्रा गाँव-गाँव जाकर गाँवों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन दे रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणाबेन रंगाणी ने प्रसंगोचित संबोधन किया। पंचायत, ग्रामीण गृह निर्माण एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री मिलिंद तोरवणे ने स्वागत संबोधन किया, जबकि पंचायत विभाग के अपर विकास आयुक्त डॉ. गौरव दहिया ने आभार व्यक्त किया।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राजकोट शहर-जिले के लगभग 194 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का ई-शिलान्यास कर दिवाली भेंट दी। स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देने के लिए सखी मंडलों द्वारा निर्मित अनूठी वस्तुओं, पटोळा, मिट्टी के बर्तनों, हैंडीक्राफ्ट, मोतीकाम जैसी विभिन्न वस्तुओं की प्रदर्शनी-सह-बिक्री के स्टॉल्स भी लगाए गए और ड्रोन दीदी की नई टेक्नोलॉजी की उड़ान के साथ कार्यकुशलता का प्रदर्शन आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती नयनाबेन पेढडिया, विधायक सर्वश्री डॉ. दर्शिताबेन शाह, उदयभाई कानगड, रमेशभाई टीलाळा, डॉ. महेन्द्रभाई पाडलिया, जयेशभाई रादडिया, दुर्लभजीभाई देथरिया, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विक्रांत पांडे, विशेष कार्याधिकारी श्री धीरज पारेख, मनपा आयुक्त श्री तुषार सुमेरा, जिला कलेक्टर डॉ. ओम प्रकाश, जिला विकास अधिकारी श्री आनंद सुरेश गोविंद, क्षेत्रीय नगर पालिका आयुक्त श्री महेशभाई जानी, पश्चिम गुजरात वीज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री सुधीर पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजूभाई डांगर, उप महापौर श्री नरेन्द्रसिंह जाडेजा, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री जयमीनभाई ठाकर, पंचायत स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री पी. जी. कयाडा, पूर्व सांसद श्री मोहनभाई कुंडारिया, अग्रणी श्री भरतभाई बोघरा आदि उपस्थित रहे।